शैक्षिक शोध, सर्वेक्षण एवं मूल्यांकन विभाग

(Educational Research, Survey and Evaluation Department)

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उत्तराखण्ड में विभिन्न अकादमिक कार्यों के क्रियान्वयन हेतु अलग–अलग विभाग कार्यरत हैं। इन विभागों में शैक्षिक शोध, सर्वेक्षण एवं मूल्यांकन विभाग की अहम भूमिका है। इसके अंतर्गत विद्यालयी शिक्षा एवं शिक्षक शिक्षा के गुणात्मक विकास एवं सामयिक आवश्यकताओं के संदर्भ में अध्ययन, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण तथा जनगणना आधारित सर्वेक्षण, शोध एवं आकलन संबंधी अन्य कार्यों को सामयिक आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप सम्पन्न किया जाता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की संस्तुतियों तथा नीति की क्रियान्वयन योजना 'सार्थक' के अनुरूप गुणात्मक शोध, क्रियात्मक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण तथा आकलन संबधी कार्यों का सम्पादन करना वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार किए जाने के लिए आवश्यक है। इसके लिए समय–समय पर संस्तुत प्रावधानों के दृष्टिगत यथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की संस्तुतियों के क्रम में विद्यालय आधारित आकलन (SBA) से संबंधित वर्तमान स्थितियों का अध्ययन कर उनमें संशोधन, संवर्धन हेतु सुझाव देने से संबंधित कार्य तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में संस्तुत राज्य आकलन प्रकोष्ठ (State Assessment Cell) से संबंधित कार्य भी इस विभाग द्वारा सम्पादित किए जाते हैं। उक्त के साथ ही मासिक एवं गृह परीक्षा हेतु सीखने के प्रतिफलों पर आधारित (Learning Outcome Based) प्रश्नपत्रों का निर्माण, परिवर्धन/संवर्धन, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय विभिन्न छात्रवृत्ति परीक्षाओं के आयोजन से संबंधित कार्य एवं मनोविज्ञान, मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ के माध्यम से छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के समुचित मार्गदर्शन एवं परामर्श हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है।

उद्देश्य :

- राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय शोध एवं सर्वेक्षणों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार हेतु आवश्यकताओं की पहचान कर कार्य योजनाओं का निर्माण एवं क्रियान्वयन।
- राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर समन्वय कर वर्तमान में प्रचलित मूल्यांकन/आकलन पद्धतियों का अध्ययन एवं समीक्षा।
- शिक्षा से जुड़े विभिन्न हितधारकों का नवीन परिदृश्य में शोध एवं क्रियात्मक शोध के क्षेत्र में क्षमता संवर्धन एवं गुणात्मक शोध हेतु अकादमिक अनुसमर्थन व संबंधित सूचनाओं का प्रचार–प्रसार।
- सीखने के प्रतिफल पर आधारित आकलन और मूल्यांकन।
- विभिन्न छात्रवृत्ति परीक्षाओं के माध्यम से मेधावी छात्र–छात्राओं के मनोबल को प्रोत्साहित करते हुए उनका उच्च शिक्षा हेतु अभिप्रेरण।
- छात्र–छात्राओं को उनकी क्षमताओं के अनुरूप वैयक्तिक–सामाजिक, शैक्षिक एवं कॅरियर मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान करना तथा इस क्षेत्र में शिक्षकों एवं अभिभावकों का क्षमता संवर्धन।

विभाग द्वारा सम्पादित मुख्य कार्य :

- राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षणों (National and State Level Achievement Survey, Learning Outcome Based Achievement Survey etc.) का आयोजन तथा प्राप्तियों की साझेदारी एवं प्रसार।
- शोध एवं क्रियात्मक शोध का संकलन एवं सम्पादन।
- राज्य आकलन प्रकोष्ठ (State Assessment Cell) के माध्यम से आकलन संबंधी विविध गतिविधियों का आयोजन।

- राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा, राज्य योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा (श्रीदेव सुमन) एवं शिवानन्द नौटियाल छात्रवृत्ति परीक्षा का संचालन।
- एन.एम.एम.एस.एस. में चयनित छात्रों के नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (NSP) पर पंजीकरण/नवीनीकरण/सत्यापन कार्य हेतु जनपदों को निर्देशित करना व कार्य सम्पादन में तकनीकी सहायता प्रदान करना। साथ ही पंजीकरण/नवीनीकरण/सत्यापन कार्य का अनुश्रवण एवं रीवैलिडेशन।
- मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना (जूनियर स्तर–कक्षा 6, माध्यमिक स्तर–कक्षा 9 एवं माध्यमिक स्तर– कक्षा 11 व 12) का आयोजन।
- बालसखा मार्गदर्शन एवं परामर्श कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को वैयक्तिक–सामाजिक, शैक्षिक एवं कॅरियर मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान करना।
- जिज्ञासा आप पूछें हम बताएँ.....मार्गदर्शिका को अपडेट करना व कॅरियर मार्गदर्शन संबंधी सूचनाओं को एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखण्ड की बेबसाइट पर अपलोड करना।
- मासिक, अर्धवार्षिक एवं वार्षिक परीक्षाओं हेतु सीखने के प्रतिफलों पर आधारित प्रश्नपत्र निर्माण एवं परिशोधन कार्य।
- शैक्षिक शोध, सर्वेक्षण एवं आकलन से संबंधित कार्यों के क्रियान्वयन को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की संस्तुतियों से समेकित करते हुए वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट के माध्यम से सुनिश्चित करना।